WRTVBPQ

संकलित परीक्षा - I (2013)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड: क (अपठित बोध)

1 सत्संग से हमारा अभिप्राय उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति से है। मानव मन में श्रेष्ठ एवं गर्हित भावनाएं मिश्रित रूप से विद्यमान रहती हैं। कुछ व्यक्ति सहज सुलभ सद्गुणों की उपेक्षा करके कुमार्ग का अनुगमन करते हैं। उनकी संगति प्रत्येक के लिए भयंकर सिद्ध होती है। वे न केवल अपना ही विनाश करते हैं, अपितु अपने साथ रहने तथा वार्तालाप करने वालों के जीवन और चरित्र को भी पतन अथवा विनाश के गर्त की ओर उन्मुख करते हैं। अत: ऐसे व्यक्तियों की संगति से सदैव बचना चाहिए। विश्व में प्राय: ऐसे मनुष्य ही अधिक हैं जो उत्कृष्ट और निकृष्ट दोनों प्रकार की मनोवृतियों से युक्त होते हैं। उनका साथ यदि किसी के लिए लाभ प्रद नहीं होता तो हानिकारक भी नहीं होता। इसके अतिरिक्त तृतीय प्रकार के मनुष्य वे हैं जो गर्हित भावनाओं का दमन करके कवल उत्कृष्ट गुणों का विकास करते हैं। ऐसे व्यक्ति निश्चय ही महान प्रतिभा-सम्पन्न होते हैं। उनकी संगति प्रत्येक व्यक्ति में उत्कृष्ट गुणों का संचार करती है। उन्हीं की संगति को सत्संग के नाम से पुकारा जाता है। 5

(क) सत्संग से लेखक का अभिप्राय है-

(i) सामान्य व्यक्तियों की संगति। (ii) उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति। (iii) श्रेष्ठ व्यक्तियों की संगति। (iv) महापुरुषों की संगति।

(ख) मानव मन में विद्मान रहती हैं -

(i) श्रेष्ठ भावनाएं। (ii) गर्हित भावनाएं।

(iii) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाएं। (iv) दुर्भावनाएँ।

(ग) कुमार्ग का अनुगमन करने वाले लोग विनाश करते हैं–

(i) अपने साथ–साथ अपने से वार्तालाप करनेवालों का भी।

(ii) सिर्फ अपना।

(iii) अपने साथ वार्तालाप करने वालों का।

(iv) अपने मित्र का।

(घ) महान प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति वे हैं जो, –

(i) गर्हित भावनाओं का दमन कर श्रेष्ठ भावनाओं का विकास करते हैं।

(ii) श्रेष्ठ भावनाओं का दमन कर गर्हित भावनाओं का विकास करते हैं।

(iii) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाओं का दमन करते हैं।

(iv) श्रेष्ठ और गर्हित भावनाओं का विकास करते हैं।

(ङ) प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तियों की संगति प्रत्येक व्यक्ति में संचार करती है –

(i) उत्कृष्ट गुणों का। (ii) निकृष्ट गुणों का।

(iii) उत्कृष्ट और निकृष्ट गुणों का। (iv) सामान्य गुणों का।

2 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे लिखे विकल्पों में से सही उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए।** 5

वैज्ञानिक उन्नति के कारण मानव सभ्यता की दीवार इतनी ऊँची हो गई है कि अब वह अपने बोझ से ही लड़खड़ाने लगी है। भौतिक उन्नति ने मनुष्य के भौतिक अस्तित्व पर ही प्रश्न चिह्न लगा दिया है। यद्यपि विज्ञान की सहायता से मनुष्य वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा है, सुख–समृद्धि के सभी साधन उसके अधीन हो गए हैं, पर वह स्वयं भी स्वतंत्र नहीं रहा। सवारी को ही लीजिए। आपके पास कार है, जहाँ चाहें पहुँच जाएँगे। परंतु यदि कार खराब हो गई, तो बुलाइए मैकेनिक को। है न; हुए आप उसके अधीन ? बिजली से कमरा ठंडा कर लिया है। दिल्ली में ही

शिमला का आनंद ले रहे हैं, परंतु बिजली फेल हो गई, तो आपका जीवन नरक बन जाएगा। दूसरी ओर आज शहरों में साँस लेना दूभर हो गया है। हर जगह शोर, गंदगी और बीमारियों का साम्राज्य-सा फैल गया है। कृत्रिम खादों, दवाइयों के कारण भूमि से उत्पन्न अन्न फल तक दूषित हो गए हैं।

(i) मनुष्य के भौतिक अस्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है, हमारी,-

(क) भौतिक उन्नति ने (ख) सांस्कृतिक उन्नति ने

(ग) आध्यात्मिक उन्नति ने (घ) सामाजिक उन्नति ने

(ii) शहरों में साँस लेना इसलिए कठिन हो रहा है कि,

(क) मँहगाई बहुत बढ़ गई है।

(ख) यातायात के साधनों से प्रदूषण बढ़ गया है।

(ग) सर्वत्र शोर एवं गंदगी है और विषम बीमारियाँ भी फैल रही हैं।

(घ) जनसंख्या में अपार वृद्धि हो रही है।

(iii) वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए भी मनुष्य स्वतंत्र नहीं है, क्योंकि,

(क) परस्पर भेदभाव बढ़ रहा है।

(ख) व्यक्ति परावलंबी और साधनों के अधीन हो रहा है।

(ग) मानसिक असंतोष बढ़ रहा है।

(घ) सामाजिकता ध्वस्त हो रही है।

(iv) भूमि से उत्पन्न अन्न फल आदि तक के दूषित होने का कारण है,-

(क) भूमि में विषाणु पैदा हो गए हैं।

(ख) भूमि की जुताई, लकड़ी के हल से नहीं होती।

(ग) वर्षा समय से नहीं होती ।

(घ) अच्छी फसल हेतु कृत्रिम उर्वरकों, तथा दवाओं का अंधाधुधप्रयोग।

(v) 'वैज्ञानिक' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय हैं,-

(क) वैज्ञा + निक । (ख) विज्ञानी + इक।

(ग) विज्ञान + इक। (घ) विज्ञान + ईक।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए —** 5

आँधियों ने गोद में हमको खिलाया है न भूलो;
कंटकों ने सिर हमें सादर झुकाया है न भूलो;
सिन्धु का मथ कर कलेजा हम सुधा भी खोज लाए;
औ, हमारे तेज़ से सूरज लजाया है न भूलो !

वे हमीं तो हैं कि इक हुँकार से यह भूमि काँपी,
वे हमीं तो हैं, जिन्होंने तीन डग में सृष्टि नापी,
और वे भी हम, कि जिनकी सभ्यता के विजयरथ की,
धूल उड़कर छोड़ आई छाप अपनी विश्वव्यापी !

(i) ''आँधियों ने गोद में हमको खिलाया'' का भाव है —

(क) हम पर अनेक झंझावातों का आना
(ख) हमारे द्वारा अनेक आक्रमणों का सामना किया जाना
(ग) हमारा आँधियों में जीना
(घ) घने अँधकार में हमारा आगे बढ़ना

(ii) ''कंटकों ने सिर हमें सादर झुकाए'' में कंटकों का प्रतीकार्थ है —

(क) काँटे (ख) लंबे काँटे
(ग) बाधाएँ एवं विपत्तियाँ (घ) पैने काँटे

(iii) भारतीयों की हुँकार से सदा कंपित होती रही है —

(क) संपूर्ण भूमि (ख) विदेशी सभ्यता
(ग) वीरों की टोलियाँ (घ) आँधियाँ

(iv) किस देश की सभ्यता संपूर्ण विश्व पर अपनी छाप छोड़ चुकी है ?

(क) चीनी सभ्यता (ख) रोमन सभ्यता
(ग) पश्चिमी सभ्यता (घ) भारतीय सभ्यता

(v) कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा —

(क) भारतीय सभ्यता (ख) सिंधु और सुधा

(ग) हमारा देश (घ) भारत-महिमा

4 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तरवाले विकल्प को चुनकर लिखिए।** 5

मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या?
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।
अम्बर पर जितने तारे, उतने वर्षों से,
मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा।
धरती को सुंदरतम करने की ममता में,
और अभी आगे आने वाले सदियों में,
मेरे वंशज धरती का उद्धार करेंगे।
इस प्यासी धरती के हित मैं ही लाया था,
हिमगिरि चीर, सुखद गंगा की निर्मल धारा।
मैंने रेगिस्तानों की रेती धो-धोकर
बन्ध्या धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए।

(i) अगणित बार धरा पर स्वर्ग बनाने वाले हैं —

(क) अमीर वर्ग के लोग। (ख) मज़दूर वर्ग के लोग।

(ग) देवता लोग। (घ) सरकारी तंत्र के कर्मचारी।

(ii) 'धरती को स्वर्ग बनान'' से अभिप्राय है —

(क) बड़े लोगों को सुखी बनाना।

(ख) जीवन को आरामदायक बनाना।

(ग) धरती को हरा-भरा बनाना

(घ) सुंदर और सुखद साधन बनाकर धरती को सजाना।

(iii) धरती की प्यास बुझाने हेतु मज़दूर लाया —

(क) यमुना की धारा। (ख) भागीरथी की धारा।

(ग) नर्मदा की धारा। (घ) ब्रह्मपुत्र की धारा।

(iv) 'अम्बर पर जितने तारे, उतने वर्षों से' का भाव है —

(क) आकाश के तारों की संख्या के वर्षों से।

(ख) अनगिनत वर्षों से।

(ग) बहुत वर्षों से।

(घ) सदियों से।

(v) ''मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा'' पंक्ति का आशय है कि —

(क) मज़दूरों के पूर्वज धरती को सँवार रहे थे।

		(ख) सदा मज़दूरों के द्वारा ही धरती की चीज़ों को सजाया गया है। (ग) कष्टप्रद कार्य मज़दूर ही करते आए हैं। (घ) धरती का सारा निर्माण मज़दूरों के परिश्रम की देन है।	
		खंड: ख (व्यवहारिक व्याकरण)	
5		**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** (क) 'अनुकूल' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए। (ख) 'अव' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए। (ग) 'झगड़ालू' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए। (घ) 'एरा' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए। (ङ) **निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।** (I) चाय–कॉफी (II) महात्मा (III) चौराहा	7
6	(I)	**अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए।** (क) आप जा सकते है । (ख) सूर्य पूरब से निकलता है।	4
	(II)	**निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।** (क) क्या आपने मेरी कॉपी लौटा दी ? (विधानवाचक) (ख) कपड़े अलमारी में रखे हैं । (आज्ञावाचक)	
7		**निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए।** (क) टेरी कहौं सिगेर ब्रिजलोगनि काल्हिकोऊ कितनो समुझै है। (ख) एक राम घनश्याम हित चातक तुलसीदास। (ग)नदियाँ जिनकी यशधरा-सी बहती है अब भी निशि-बासर। (घ) ले चला मैं तुझे कनक, ज्यों भिक्षुक लेकर स्वर्ण-झनक।	4
		खंड: ग (पाठ्य-पुस्तक)	
8		**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** यह व्यापारिक हो नहीं, सैनिक रास्ता भी था। इसीलिए जगह–जगह फौज़ी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी। आजकल बहुत से फौज़ी मकान गिर चुके हैं। दुर्ग के किसी भाग में जहाँ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है, वहाँ घर कुछ आबाद दिखाई पड़ते हैं। (क) इस गद्यांश में किस रास्ते का वर्णन है ? (ख) उपर्युक्त रास्ते के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ?	5

	(ग) बदली हुई परिस्थितियों में इस क्षेत्र की स्थिति स्पष्ट कीजिए।	
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)	
9(i)	'उपभोक्तावादी संस्कृति दिखावे की संस्कृति है' इस वाक्य पर अपने विचार लिखिए।	2
9(ii)	मोती और हीरा ने विपत्ति में एक-दूसरे का साथ कैसे दिया ? इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है ?	2
9(iii)	तिब्बत में पहाड़ के किस सर्वोच्च स्थान को किससे और क्यों सजाया जाता था ?	2
9(iv)	सालिम अली को वर्ड वाचर क्यों कहा गया है? ''साँवले सपनों की याद'' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
9(v)	''साँवले सपनों की याद' पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता व्यक्त करता है तथा बताइए कि पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं।	2
10	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** रोमांचित-सी लगती वसुधा आई जौ गेहूँ में बाली, अरहर सनई की सोने की किंकिणियाँ हैं शोभाशाली ! उड़ती भीनी तैलाक्त गंध फूली सरसों पीली-पीली, लो, हरित धरा से झाँक रही	5

	नीलम की कलि, तीसी नीली ! (क) वसुधा अपना रोमांच किस प्रकार प्रकट कर रही है ? (ख) कविता में अरहर और सनई की शोभा को किस प्रकार प्रकट किया गया है ? (ग) तैलाक्त गंध का आशय स्पष्ट कीजिए।	
	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)	
11(i)	कवि दिन के समय अपनी पीड़ा के भावों को क्यों नहीं प्रकट करना चाहता है? ''कैदी और कोकिला'' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।	2
11(ii)	''काबा के काशी' तथा 'राम के रहीम' हो जाना' कहकर कबीर स्पष्ट रूप से क्या संदेश देना चाहते हैं?	2
11(iii)	रसखान कवि के अनुसार गोपी कृष्ण का सब स्वांग भरने को तैयार है लेकिन वह मुरली को नहीं अपनाना चाहती है; क्यों ?	2
11(iv)	ईश्वर को जानने के लिए कवयित्री ने क्या उपाय सुझाया है ? ''वाख'' कविता के आधार पर लिखिए।	2
11(v)	'ग्रामश्री' कविता में कवि ने गाँव को 'हरता जनमन' क्यों कहा है ? अपने शब्दों में लिखिए ।	2
12	'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका ने बच्चों की शिक्षा के लिए स्वयं प्रयास किया है। पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चों के लिए शिक्षा कितनी आवश्यक है और हमें उनकी शिक्षा के लिए क्या प्रयास करना चाहिए ?	5

	खंड: घ (लेखन)	
	निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	
13(i)	**मेरे जीनव का उद्देश्य / लक्ष्य** • लक्ष्य निर्धारण एवम् वर्णन • प्राप्ति हेतु योजना • प्रेरणा – स्त्रोत • विशेषताएँ, सीमाएँ, चुनौतियाँ • देश और समाज के लिए उपयोगिता	10
	अथवा	
13(ii)	**किसी त्योहार का वर्णन** संकेत बिंदु • भूमिका • जीवन में त्योहारों का महत्त्व • त्योहार से संबधित पौराणिक, धार्मिक प्रसंग • मनाने का ढंग • उपसंहार	10
	अथवा	
13(iii)	**मेरा प्रिय खेल** • भूमिका- (खेल का नाम + विशेषताएँ) • खेल के मैदान की व्यवस्था • खेल का आरंभ • भोजनावकाश के बाद का खेल • पुरस्कार वितरण • उपसंहार	10

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

	14	अपने क्षेत्र में जगह-जगह फैले हुए कूड़े-कचरे का विवरण देते हुए अपने नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को इसे हटवाने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।	5
	15	स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता पर आधारित प्रतिवेदन लिखिए ।	5
		*****	

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science